चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 18 मई 2026, अंक –282.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

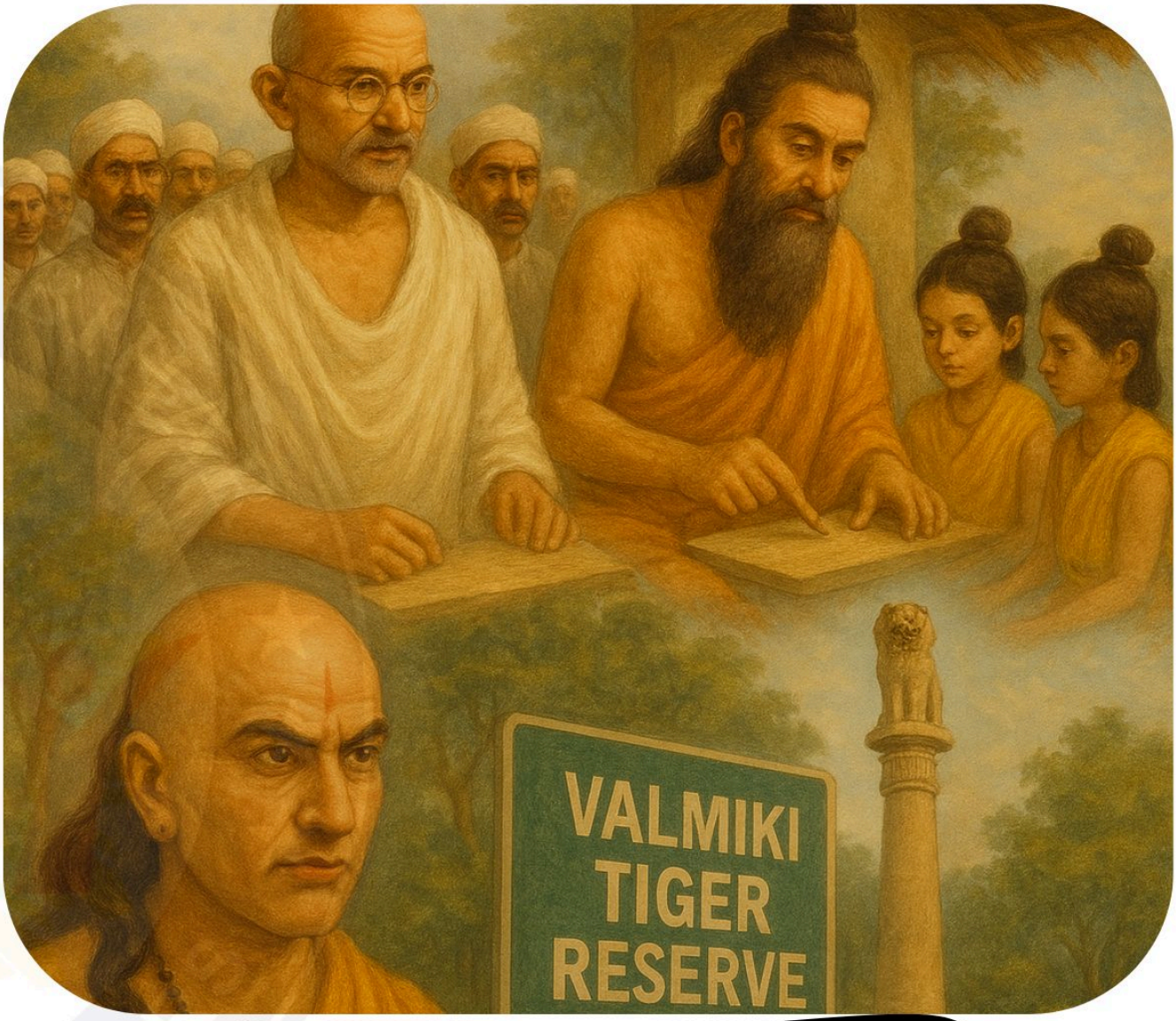

"संकल्प ही मनुष्य का असली बल है।"

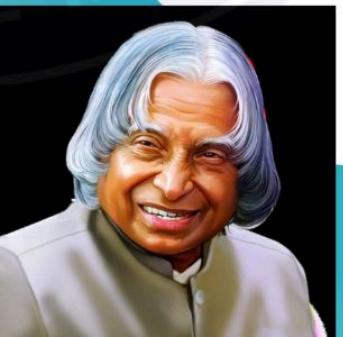

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. यूरो मुद्रा का मुख्यालय किस शहर में स्थित यूरोपीय केंद्रीय बैंक द्वारा नियंत्रित किया जाता है?
उत्तर: फ्रैंकफर्ट
प्रश्न 2. भारत में "जय जवान, जय किसान" का नारा किसने दिया था?
उत्तर: लाल बहादुर शास्त्री
प्रश्न 3. 'लुई-नगाई-नी' उत्सव भारत के किस राज्य में मनाया जाता है?
उत्तर: मणिपुर
प्रश्न 4. यदि किसी आयत की लंबाई 8 सेमी और चौड़ाई 5 सेमी हो, तो उसका क्षेत्रफल कितना होगा?
उत्तर: 40 वर्ग सेमी
प्रश्न 5. बिहार में स्थित 'शेरशाह सूरी का मकबरा' किस शहर में है?
उत्तर: सासाराम
प्रश्न 6. किब्बर वन्यजीव अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: हिमाचल प्रदेश
प्रश्न 7. पेसमेकर का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: विल्सन ग्रेटबैच
प्रश्न 8. भारतीय संविधान सभा में प्रारूप समिति (Drafting Committee) के अध्यक्ष कौन थे?
उत्तर: डॉ. भीमराव अंबेडकर
प्रश्न 9. 'जिसे पढ़ा न जा सके' — इसके लिए एक शब्द क्या होगा?
उत्तर: अपठनीय
प्रश्न 10. समुद्र के जल का स्वाद खारा क्यों होता है?
उत्तर: नमक के कारण

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Beach – (बीच) – समुद्र तट
2. Island – (आइलैंड) – द्वीप
3. Desert – (डेज़र्ट) – रेगिस्तान
4. Cave – (केव) – गुफा
5. Bridge – (ब्रिज) – पुल
6. Harbor – (हार्बर) – बंदरगाह
7. Lighthouse – (लाइटहाउस) – प्रकाश स्तंभ

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वे ... करते/करती हैं" (They ...)

वे पढ़ते हैं। – They read.
वे लिखते हैं। – They write.
वे खेलते हैं। – They play.
वे खाना खाते हैं। – They eat food.
वे अंग्रेज़ी सीखते हैं। – They learn English.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटोहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. 18 मई को विश्व भर में संग्रहालयों के महत्व और उनकी सांस्कृतिक भूमिका के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु कौन सा दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: अंतर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस
व्याख्या: प्रतिवर्ष 18 मई को 'International Museum Day' मनाया जाता है। इसका उद्देश्य समाज के विकास में संग्रहालयों (Museums) के महत्व को रेखांकित करना है, जो हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर को संजोकर भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखते हैं।
संदर्भ: International Council of Museums (ICOM), 2026.

2. हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा घोषित 'राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन 2026' का मुख्य लक्ष्य क्या निर्धारित किया गया है? (समसामयिकी)
उत्तर: स्वच्छ ऊर्जा निर्यात
व्याख्या: मई 2026 में कैबिनेट द्वारा स्वीकृत नए रोडमैप के तहत भारत को वैश्विक हरित हाइड्रोजन उत्पादन और निर्यात का प्रमुख केंद्र बनाना है। यह मिशन जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करने और नेट-जीरो लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: Ministry of New and Renewable Energy (MNRE), May 2026.

3. प्राचीन काल में आहत सिक्कों (Punch-marked coins) पर मुख्य रूप से किन आकृतियों को ठप्पा मारकर बनाया जाता था? (पुस्तक - लेखक)
उत्तर: पेड़, पशु, सूर्य
व्याख्या: आहत सिक्के भारत के प्राचीनतम सिक्के हैं जो सोने, चांदी या तांबे के टुकड़ों पर विभिन्न प्रतीकों (जैसे पेड़, हाथी, सूर्य, मछली) को पंच करके बनाए जाते थे। ये सिक्के लगभग 500 वर्षों तक चलन में रहे और प्राचीन व्यापारिक इतिहास को समझने के मूल्यवान स्रोत हैं।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 90.

4. नाइट्रोजन गैस वायुमंडल में सर्वाधिक मात्रा में पाई जाती है, पौधों के लिए इसका क्या महत्व है? (पर्यावरण)
उत्तर: प्रोटीन निर्माण
व्याख्या: वायुमंडल में 78% नाइट्रोजन है, लेकिन पौधे इसे सीधे हवा से नहीं ले सकते। मिट्टी में मौजूद बैक्टीरिया नाइट्रोजन को ऐसे रूप में बदलते हैं जिसे पौधे अवशोषित कर सकें। यह नाइट्रोजन पौधों के विकास और प्रोटीन निर्माण के लिए अनिवार्य तत्व है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 20.

5. प्राचीन भारत में सुदूर दक्षिण के उन तमिल दासों या भूमिहीन मजदूरों को क्या कहा जाता था जिनके पास अपनी भूमि नहीं होती थी? (इतिहास)
उत्तर: कडेसियर और अदिमई
व्याख्या: तमिल क्षेत्र की सामाजिक संरचना में बड़े भू-स्वामियों को वेल्ळार और साधारण हलवाहों को उणवार कहा जाता था। वहीं भूमिहीन मजदूरों, जिनमें दास भी शामिल थे, उन्हें 'कडेसियर' और 'अदिमई' के नाम से जाना जाता था। यह शब्दावली परीक्षाओं में अक्सर पूछी जाती है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 9 Vital Villages, Thriving Towns, p. 89.

"सामान्य-ज्ञान"

6. वायुमंडल की परतों में ऊपर की ओर बढ़ने पर वायुदाब (Air Pressure) पर क्या प्रभाव पड़ता है? (भूगोल)
उत्तर: तेजी से घटता है
व्याख्या: वायुदाब पृथ्वी की सतह पर सबसे अधिक (समुद्र तल पर सर्वाधिक) होता है और जैसे-जैसे हम ऊँचाई की ओर बढ़ते हैं, वायुदाब तेजी से घटता जाता है। यही कारण है कि ऊँचे पर्वतों पर पर्वतारोहियों को सांस लेने में कठिनाई होती है और वे ऑक्सीजन सिलेंडर साथ ले जाते हैं।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 4 Air, p. 23.

7. भारतीय संविधान का 'अनुच्छेद 21' प्रत्येक नागरिक को किस मौलिक अधिकार की पूर्ण गारंटी देता है? (संविधान)
उत्तर: प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता
व्याख्या: अनुच्छेद 21 के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को उसके प्राण या दैहिक स्वतंत्रता (Right to Life and Personal Liberty) से विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के बिना वंचित नहीं किया जाएगा। न्यायपालिका ने इसके दायरे में स्वच्छ जल, प्रदूषण मुक्त हवा और निजता के अधिकार को भी शामिल किया है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 2 Rights in the Indian Constitution, p. 32.

8. मानव शरीर में 'एंजाइम' (Enzymes) मुख्य रूप से किस जैविक प्रक्रिया को तेज करने का कार्य करते हैं? (विज्ञान)
उत्तर: भोजन का पाचन
व्याख्या: एंजाइम जैविक उत्प्रेरक (Biocatalysts) होते हैं जो शरीर के भीतर होने वाली रासायनिक प्रतिक्रियाओं, विशेष रूप से भोजन के पाचन को गति देते हैं। जैसे, लार में पाया जाने वाला टायलिन एंजाइम स्टार्च को शर्करा में तोड़ता है। इसके बिना पाचन प्रक्रिया अत्यंत धीमी हो जाएगी।
संदर्भ: NCERT Class 7 Science, Ch 2 Nutrition in Animals, p. 12.

9. विश्व प्रसिद्ध 'लिंगराज मंदिर' (भुवनेश्वर) का निर्माण किस प्राचीन शैली की वास्तुकला के तहत किया गया है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: नागर शैली
व्याख्या: 11वीं शताब्दी में निर्मित लिंगराज मंदिर उत्तर भारतीय या 'नागर शैली' की स्थापत्य कला का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। यह भगवान शिव को समर्पित है। इसका मुख्य शिखर अत्यंत भव्य और बारीक नक्काशीदार है, जो मध्यकालीन कला का अनूठा प्रतीक है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 5 Rulers and Buildings, p. 63.

10. बिहार के किस प्रसिद्ध अभयारण्य को 'बर्ड सेंचुरी' (पक्षी विहार) के रूप में जाना जाता है जहाँ कंबोडिया और साइबेरिया के प्रवासी पक्षी आते हैं? (बिहार GK)
उत्तर: नागी-नकटी पक्षी अभयारण्य
व्याख्या: बिहार के जमुई जिले में स्थित नागी और नकटी दो अलग-अलग जलाशय हैं, जिन्हें पक्षी अभयारण्य घोषित किया गया है। यह क्षेत्र सर्दियों और शुरुआती गर्मियों में मध्य एशिया से आने वाले प्रवासी पक्षियों का प्रमुख बसेरा बनता है। यहाँ बिहार का पहला राज्य पक्षी उत्सव 'कलस्टेट' भी आयोजित हुआ था।
संदर्भ: Bihar Forest & Wildlife Department / NCERT Map Reference.

"सामान्य-ज्ञान"

11. आपदा जोखिम कैलेंडर के अनुसार, चक्रवाती तूफान या तेज आंधी के आने की संभावना होने पर सबसे सुरक्षित स्थान कहाँ माना जाता है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: पक्के भवन के अंदर
व्याख्या: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के मई माह के तीसरे सप्ताह (W3) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, आंधी-तूफान के समय खुले मैदान, पेड़ों के नीचे, बिजली के खंभों के पास या टीन की छत वाले घरों में नहीं रुकना चाहिए। किसी मजबूत पक्के मकान के अंदर शरण लेना ही सबसे सुरक्षित उपाय है।
संदर्भ: आपदा जोखिम न्यूनीकरण कैलेण्डर 2026, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण।

12. यदि किसी सांकेतिक भाषा में 'MIND' को 'KGLB' लिखा जाता है, तो उसी भाषा में 'DIAGRAM' को क्या लिखा जाएगा? (रीजनिंग)
उत्तर: BGYEPYK
व्याख्या: इस कूट में वर्णमाला का प्रत्येक अक्षर अपने से 2 स्थान पीछे जा रहा है (M-2=K, I-2=G, N-2=L, D-2=B)। इसी नियम के आधार पर: D-2=B, I-2=G, A-2=Y, G-2=E, R-2=P, A-2=Y, M-2=K होगा। यह कोडिंग बच्चों की तार्किक श्रृंखला को सुदृढ़ करती है।
संदर्भ: Mental Ability and Reasoning Test Modules (2026).

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Flawless (फ्लॉलेस) = Perfect (परफेक्ट) = त्रुटिरहित / निर्दोष
Antonym – Defective (डिफेक्टिव) = दोषपूर्ण
Grim (ग्रिम) = Serious (सीरियस) = गंभीर / कठोर
Antonym – Pleasant (प्लेज़न्ट) = सुखद
Harmony (हार्मनी) = Agreement (अग्रीमेंट) = सामंजस्य / मेल
Antonym – Conflict (कॉनफ्लिक्ट) = संघर्ष
Invincible (इनविन्सिबल) = Unconquerable (अनकॉन्करेबल) = अजेय
Antonym – Vulnerable (वल्नरेबल) = कमजोर / असुरक्षित
Jubilant (जुबिलेन्ट) = Delighted (डिलाइटेड) = अत्यंत प्रसन्न
Antonym – Miserable (मिज़रेबल) = दुखी

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Government launches 'Project Maru-Ganga'; India to deploy its first Solar-Powered Desalination grid in Rajasthan to turn brackish groundwater into drinking water.
केंद्र सरकार ने 'प्रोजेक्ट मरु-गंगा' लॉन्च किया; राजस्थान के सूखाग्रस्त इलाकों में खारे भूजल को पीने योग्य पानी में बदलने के लिए भारत का पहला सौर-ऊर्जा संचालित 'डिसैलिनेशन ग्रिड' स्थापित किया जाएगा।

Ministry of Civil Aviation issues 'Vertiport Development Guidelines 2026' for 20 major cities; lays foundation for commercial eVTOL (flying taxi) operations.
नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 20 प्रमुख शहरों के लिए 'वर्टिपोर्ट विकास दिशानिर्देश 2026' जारी किए; यह देश में इलेक्ट्रिक फ्लाइंग टैक्सियों (eVTOL) के वाणिज्यिक संचालन का रास्ता साफ करेगा।

ISRO successfully tests 'Carbon-Composite Rocket Motor Casing' for Polar Satellite Launch Vehicle (PSLV); reduces structural weight by 20%.
इसरो ने पीएसएलवी (PSLV) के लिए 'कार्बन-कंपोजिट रॉकेट मोटर केसिंग' का सफल परीक्षण किया; इससे रॉकेट का संरचनात्मक वजन 20% कम होगा और पेलोड ले जाने की क्षमता बढ़ेगी।

INTERNATIONAL NEWS

UNGA adopts 'The Space Sustainability Resolution'; establishes strict orbital traffic management to prevent satellite collisions.
संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) ने 'अंतरिक्ष स्थिरता संकल्प' पारित किया; बढ़ते अंतरिक्ष कचरे को रोकने और उपग्रहों के टकराव से बचने के लिए सख्त 'ऑर्बिटल ट्रैफिक मैनेजमेंट' प्रणाली लागू की जाएगी।

BBC News: Scientists in Germany develop 'Bio-Plastic from Seaweed' that decomposes in soil within 7 days without leaving microplastics.
बीबीसी न्यूज़: जर्मनी के वैज्ञानिकों ने समुद्री काई (Seaweed) से ऐसा बायो-प्लास्टिक विकसित किया है, जो मिट्टी में मात्र 7 दिनों के भीतर बिना माइक्रोप्लास्टिक छोड़े पूरी तरह नष्ट हो जाता है।

WHO pre-qualifies 'Typbar-TCV Next', a needle-free patch-based Typhoid vaccine; designed for painless mass immunization in remote regions.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने सुई-मुक्त पैच-आधारित टाइफाइड वैक्सीन 'Typbar-TCV Next' को मंजूरी दी; दूरदराज के क्षेत्रों में दर्द रहित सामूहिक टीकाकरण के लिए यह क्रांतिकारी कदम है।

BIHAR NEWS

Bihar Government to build 'Makhana Excellence and Processing Cluster' in Darbhanga; will provide direct export linkage to 50,000 farmers.
बिहार सरकार दरभंगा में अत्याधुनिक 'मखाना उत्कृष्टता एवं प्रसंस्करण क्लस्टर' स्थापित करेगी; इसके जरिए राज्य के 50,000 मखाना किसानों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जोड़ा जाएगा।

SCERT Bihar introduces 'Climate Change Awareness' as a compulsory graded subject in the environmental studies curriculum for Classes 6 to 8.
एससीईआरटी बिहार ने कक्षा 6 से 8 के लिए पर्यावरण अध्ययन के पाठ्यक्रम में 'जलवायु परिवर्तन जागरूकता' को एक अनिवार्य और ग्रेडेड (अंक वाले) विषय के रूप में शामिल किया।

SPORTS NEWS

Indian Weightlifter Mirabai Chanu wins Gold at the Asian Weightlifting Championship 2026; sets a new Asian Record in the 'Clean and Jerk' category.
भारतीय भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने एशियाई भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीता; उन्होंने 'क्लीन एंड जर्क' श्रेणी में नया एशियाई रिकॉर्ड भी कायम किया।

ICC announces 'Smart-Ball Technology' for the upcoming T20 World Cup; embedded microchips to track real-time ball revolutions, speed, and drift.
आईसीसी (ICC) ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए 'स्मार्ट-बॉल टेक्नोलॉजी' की घोषणा की; गेंद के भीतर लगी माइक्रोचिप वास्तविक समय में उसकी गति, स्पिन (revolutions) और हवा में झुकाव (drift) का सटीक डेटा देगी।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"NEWS का वास्तविक अर्थ है—प्रगति का नया प्रमाण। खुद को समय के साथ अपडेट रखें।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

"विरासत से प्रेरणा"

(अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस विशेष)

विद्यालय की शैक्षिक यात्रा के दौरान बच्चों को एक संग्रहालय ले जाया गया। वहाँ प्राचीन मूर्तियाँ, पुराने सिक्के, स्वतंत्रता सेनानियों की वस्तुएँ, वैज्ञानिक उपकरण और हमारी संस्कृति से जुड़ी अनेक दुर्लभ धरोहरें सजी थीं।

अंश को शुरुआत में लगा कि ये सब केवल पुरानी वस्तुएँ हैं। उसने धीरे से कहा– "इन चीज़ों को देखकर हमें क्या मिलेगा?"

तभी गीता मैडम मुस्कुराईं और बोलीं–"बेटा, संग्रहालय केवल वस्तुओं का भंडार नहीं होता। यह हमारे इतिहास, ज्ञान और संघर्ष की जीवित कहानी है।"

आगे बढ़ते हुए अंश ने एक पुरानी चरखी देखी, जिसने स्वावलंबन का संदेश दिया था। उसने स्वतंत्रता सेनानियों के पत्र पढ़े और उन उपकरणों को देखा जिनसे वैज्ञानिक खोजों की शुरुआत हुई थी। हर वस्तु के पीछे एक प्रेरणादायक कहानी छिपी थी।

धीरे-धीरे अंश की सोच बदलने लगी। उसे महसूस हुआ कि आज हमें जो सुविधाएँ और ज्ञान मिले हैं, वे अनेक लोगों की मेहनत, त्याग और जिज्ञासा का परिणाम हैं।

संग्रहालय के अंतिम कक्ष में एक पंक्ति लिखी थी–

"जो अपने इतिहास को समझता है, वही भविष्य को उज्ज्वल बनाता है।"

यह वाक्य अंश के मन में गहराई तक उतर गया।

विद्यालय लौटते समय अंश ने गीता मैडम से कहा–

"मैडम, आज समझ आया कि संग्रहालय केवल पुरानी चीज़ों का घर नहीं, बल्कि प्रेरणा का खजाना है।"

गीता मैडम ने कहा– "बिल्कुल, बेटा। अपनी विरासत को समझना ही आगे बढ़ने की सबसे मजबूत नींव है।"

संदेश :"जो अपने इतिहास को समझता है, वही भविष्य को बेहतर बना सकता है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

विद्यालय में खेल की घंटी का प्रभावपूर्ण उपयोग

विद्यालय में आम तौर पर अंतिम घंटी खेल की घंटी होती है। इस घंटी तक आते-आते शिक्षक लगभग थक चुके होते हैं और अक्सर इस घंटी का उपयोग खुद के आराम के लिए करने लगते हैं। वे छात्रों को वर्ग में कुछ करने के लिए दे देते हैं और स्वयं कक्षा में ही समय व्यतीत करते हैं। कुछ विद्यालयों में शिक्षक इस कार्य को अपनी जिम्मेवारी से परे शारीरिक शिक्षक की जिम्मेदारी पर छोड़ देते हैं। एक शारीरिक शिक्षक के लिए बड़ा कठिन हो जाता है सभी कक्षा के छात्रों को संभालना। विद्यालय में खेल की घंटी में अक्सर शोर, कोलाहल, भाग-दौड़, अव्यवस्था का माहौल बन जाता है। शिक्षकों से इस बारे में पूछने पर उनके अपने ही तर्क होते हैं। विद्यालय में खेल के मैदान का अभाव, खेल सामग्री का अभाव, खेल शिक्षकों का अभाव जैसे कुछ मुद्दों पर उनका ध्यान आकर्षित किया जाता है। कुछ हद तक ये मुद्दे सही भी हैं परन्तु इसे ही सत्य मानकर हम छात्रों को खेल से विमुख नहीं कर सकते हैं। विद्यालय में छात्रों में निरंतरता एवं सहयोग की भावना विकसित करने में खेल की एक बड़ी भूमिका रही है। जिन स्कूलों में बड़ा मैदान नहीं होता, वहाँ भी "खेल की घण्टी" बहुत प्रभावी तरीके से कराई जा सकती है। खेल का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सक्रिय एवं खुश रखना, अनुशासित बनाना और टीमवर्क सिखाना होता है। इसके लिए विद्यालय में केवल बड़ा मैदान ही होना जरूरी नहीं है। ऐसे बहुत सारे खेल हैं जिन्हें हम कक्षा या विद्यालय में उपलब्ध छोटे स्थानों में भी करा सकते हैं। ताली खेल, तालबद्ध व्यायाम* एक्शन गेम, योग और स्ट्रेचिग, कूद व्यायाम जैसी गतिविधियों को हम एक स्थान पर कक्षा के अंदर या बरामदे में खड़ा कर पूरा कर सकते हैं। इसके अलावा हम कक्षा में शब्द श्रृंखला, पहेली प्रतियोगिता, गणित क्विज़ , चित्र पहचानो, यादाश्त आधारित खेल आसानी से करा सकते हैं। विद्यालय में उपलब्ध छोटे स्थान में रुमाल चोर, म्यूजिकल चेयर, संतुलन बनाओ, धीमी रिले रेस, पेपर बॉल टारगेट जैसे खेल करा सकते हैं। चील झपट्टा, डेंगा-पानी, कित-कित, छुआ-छुई, कबड्डी, पिट्टो, कंचा जैसे पारंपरिक खेलों को भी विद्यालय में करा सकते हैं।

मुख्यतः हम शिक्षकों को खेल की घंटी को रोचक बनाने का प्रयास करना चाहिए। हमें प्रतिदिन अलग-अलग गतिविधियों का आयोजन करना चाहिए। अगर विद्यालय में सह शिक्षा है तो बालक बालिकाओं को मिश्रित समूह में रखना चाहिए। किसी खेल में जीत से ज्यादा छात्रों की भागीदारी पर जोर देना चाहिए।बाल संसद एवं यूथ क्लब की भूमिका निर्धारित करनी चाहिए। किसी भी तरह के खेल के आयोजन के पूर्व सुनिश्चित होना चाहिए कि फिसलन वाली जगह न हो। यदि स्थान कम हो बहुत तेज दौड़ वाले खेल नहीं कराना चाहिए। प्राथमिक कक्षा के छात्रों के लिए सरल एवं आसान खेल गतिविधियों का आयोजन किया जाना चाहिए खेल आयोजन के पूर्व पानी, ग्लूकोज, प्राथमिक उपचार किट आदि की व्यवस्था सुनिश्चित रखना चाहिए। जिन विद्यालयों में खेल के मैदान की व्यवस्था हो वहां फुटबॉल, क्रिकेट, वालीवाल, बास्केटबॉल जैसे खेल करा सकते हैं। जो भी आयोजन किया जाए उसको अनुशासित होकर, नियमपूर्वक, सौहार्दपूर्ण तथा तनावरहित वातावरण में किया जाना चाहिए। यदि हम अपने विद्यालय में ऐसा कुछ कर पाते हैं तभी खेल के घंटी की उपादेयता है। तो आईए हम सब मिलकर अपने विद्यालय में खेल की घंटी हेतु आवंटित समय का प्रभावपूर्ण ढंग से उपयोग करना सुनिश्चित करें।

.....✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की शृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयाह से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहाः बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोरः पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकताः ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशाः 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

अनुभाग-8

"बिहार दर्शन : पूर्वी चम्पारण, अंक–1"

मोतिहारी — जहाँ एक छोटे शहर ने दुनिया को सत्य की ताकत दिखाई

'संपादकीय'

भारत के इतिहास में कुछ नगर ऐसे हैं, जिनकी पहचान उनकी भव्य इमारतों से नहीं, बल्कि वहाँ जन्म लेने वाले विचारों से बनती है। Motihari ऐसा ही एक नगर है। देखने में शांत, साधारण और सहज लगने वाला यह शहर कभी औपनिवेशिक सत्ता और भारतीय आत्मसम्मान के बीच निर्णायक संघर्ष का मंच बना था। यही वह भूमि है जहाँ सत्य ने पहली बार संगठित होकर साम्राज्य से प्रश्न पूछे।

East Champaran का इतिहास पश्चिमी चम्पारण से गहराई से जुड़ा है, क्योंकि कभी पूरा क्षेत्र संयुक्त "चम्पारण" कहलाता था। लेकिन समय के साथ प्रशासनिक विभाजन हुआ और मोतिहारी इसका मुख्यालय बना। आज यह जिला उत्तर बिहार के महत्वपूर्ण सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और कृषि क्षेत्रों में गिना जाता है।

मोतिहारी का नाम सुनते ही सबसे पहले Champaran Satyagraha की स्मृति उभरती है। 1917 में जब Mahatma Gandhi यहाँ पहुँचे, तब शायद किसी ने नहीं सोचा था कि यह छोटा-सा नगर विश्व राजनीति और जनआंदोलन की भाषा बदल देगा। किसानों की पीड़ा सुनने आए गांधीजी ने यहाँ केवल नील के अत्याचार का विरोध नहीं किया; उन्होंने भारतीय जनता को यह विश्वास दिलाया कि सत्य और अहिंसा भी सत्ता से अधिक शक्तिशाली हो सकते हैं।

दिलचस्प बात यह है कि मोतिहारी केवल भारतीय इतिहास से नहीं, बल्कि विश्व साहित्य से भी जुड़ा हुआ है। प्रसिद्ध लेखक George Orwell का जन्म भी इसी शहर में हुआ था। उनकी चर्चित कृतियाँ Animal Farm और 1984 आज भी सत्ता, नियंत्रण और स्वतंत्रता पर सबसे प्रभावशाली पुस्तकों में गिनी जाती हैं। यह एक रोचक संयोग है कि जिस धरती पर गांधी ने नैतिक प्रतिरोध का संदेश दिया, वहीं जन्मे ऑरवेल ने तानाशाही और दमन की भयावहता को अपनी लेखनी में उजागर किया।

पूर्वी चम्पारण की धरती अत्यंत उपजाऊ है। गंडक और उसकी सहायक नदियों ने यहाँ की कृषि को समृद्ध बनाया। धान, गेहूँ, मक्का और गन्ना यहाँ की प्रमुख फसलें हैं। गाँवों का जीवन आज भी खेतों की लय से जुड़ा हुआ है। सुबह की पहली रोशनी के साथ खेतों की ओर जाते किसान और शाम को लौटते बैलगाड़ियों के दृश्य इस क्षेत्र की जीवंत ग्रामीण संस्कृति को दर्शाते हैं।

यहाँ का सामाजिक जीवन भी अत्यंत गतिशील है। भोजपुरी, बज्जिका और मैथिली प्रभावों का अनोखा संगम इस क्षेत्र की भाषा और व्यवहार में दिखाई देता है। लोकगीतों में यहाँ की मिट्टी की सादगी झलकती है, तो मेलों और पर्वों में सामुदायिक जीवन की ऊर्जा। छठ पर्व के समय नदियों और तालाबों के किनारे उमड़ती आस्था इस क्षेत्र की सांस्कृतिक गहराई का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत करती है।

पूर्वी चम्पारण का एक महत्वपूर्ण पक्ष इसकी सीमावर्ती स्थिति भी है। नेपाल से निकटता ने यहाँ व्यापार, भाषा और सामाजिक संबंधों को विशेष रूप से प्रभावित किया है। सीमापार संपर्कों के कारण यहाँ की संस्कृति में एक खुलापन दिखाई देता है, जो इसे उत्तर भारत के अन्य जिलों से अलग पहचान देता है।

लेकिन इस जिले की सबसे बड़ी विशेषता शायद उसकी स्मृतियाँ हैं। मोतिहारी की गलियों में चलते हुए ऐसा लगता है जैसे इतिहास अब भी यहाँ साँस ले रहा हो। पुराने भवन, गांधी से जुड़े स्थल और ग्रामीण जीवन की सहजता– सब मिलकर यह एहसास कराते हैं कि परिवर्तन हमेशा महानगरों से नहीं आता। कभी-कभी दुनिया बदलने वाले विचार छोटे कस्बों और साधारण लोगों के बीच जन्म लेते हैं।

पूर्वी चम्पारण इसी सत्य का जीवंत उदाहरण है। यह जिला केवल बिहार का एक प्रशासनिक क्षेत्र नहीं, बल्कि उस विचार का प्रतीक है जिसने भारत को आत्मविश्वास दिया और दुनिया को यह बताया कि नैतिक शक्ति भी इतिहास की दिशा बदल सकती है।

.....

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org